राम रमैया | By Sanjay Shukla |

जय राम रमैया कण-कण में
राम धुन बजे छन-छन में
त्रेता युग में हुआ अवतार
करने आया सबका उद्धार
राम समाया जन-जन में
राम धुन बजे छन-छन में

हाँ तीर धनुष बाण सजे
मानव रूप में लगे राजे
राम को बसाया सब मन में
राम धुन बजे छन-छन में

राम ने जब वनवास लिया
तीनों लोक उदास हुआ
रोने लगे सब मन-मन में
राम धुन बजे छन-छन में

सिर पे मुकुट, कान में कुंडल
सोभे जनेऊ और केश कुंडल
आनंद हुए सब घन-घन में
राम धुन बजे छन-छन में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b0%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-sanjay-shukla/